

छोटी-सी हमारी नदी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. प्रश्नों के सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए।

(i) नदी के किनारे और पाट कैसे हैं?

(क) ऊँचे और ढालू ☐

(ख) नीचे और समतल ☐

(ग) गहरे और ऊँचे ☐

(घ) गंदे और संकीर्ण ☐

(ii) उजले जैसे घाम का भावार्थ क्या है?

(क) बादलों वाली धूप ☐

(ख) धूप का न होना ☐

(ग) खुली धूप का होना ☐

(घ) इनमें से कोई नहीं ☐

(iii) वर्षा से नदी का जल कैसा हो जाता है?

(क) स्वच्छ ☐

(ख) अशुद्ध ☐

(ग) गँदला ☐

(घ) अपवित्र ☐

(iv) टोले में कौन-से उत्सव की खूब धूम मच जाती है?

(क) वर्षा उत्सव ☐

(ख) ईद ☐

(ग) गुरु पर्व ☐

(घ) क्रिसमस ☐

(v) 'हुआँ-हुआँ' कौन करता है?

(क) भालू ☐

(ख) सियार ☐

(ग) कुत्ता ☐

(घ) मैना ☐

(vi) 'किचपिच-किचपिच' कौन करता है?

(क) तोता ☐

(ख) कोयल ☐

(ग) मैना ☐

(घ) चुहिया ☐

(vii) छोटी-छोटी मछलियाँ कहाँ तैरती हैं?

(क) बाल्टी में ☐ (ख) पानी की बोतल में ☐

(ग) नदी में ☐ (घ) समुद्र में ☐

(viii) नदी को कवि ने कैसी बताया है?

(क) छोटी-सी ☐ (ख) मोटी-सी ☐

(ग) बड़ी-सी ☐ (घ) टेढ़ी मेढ़ी ☐

2. सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत कथन के सामने गलत (×) का निशान लगाइए।

(i) गर्मियों में मवेशी और अन्य पशु आसानी से नदी पार कर जाते हैं। ☐

(ii) नदी के दूसरे तट पर खजूर और महुए के पेड़ हैं। ☐

(iii) छोटे बच्चे बीच नदी में जाकर उछल-कूद करते हैं। ☐

(iv) बहुएँ थाली-कटोरी रगड़-रगड़ कर धोती है। ☐

3. निम्न शब्दों में से उचित शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए।

आँचल, बड़ी-बड़ी, छोटी-छोटी, किनारे, वेग, धार, कलकल, काँस, टोला

(i) नदी की टेढ़ी-मेढ़ी है।

(ii) नदी के एक तट पर फूले हुए हैं।

(iii) बच्चे नदी तट पर मछलियाँ पकड़ते हैं।

(iv) और के कारण कोलाहल उठता है।

(v) पेड़ों की छाँव में ब्राह्मण रहता है।

(vi) नदी के ऊँचे है।

4. कविता की पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

(i) छोटी-सी हमारी नदी टेढ़ी-मेढ़ी धार,

गर्मियों में घुटने भर भिगो कर जाते पार।

पार जाते ढोर-डंगर, बैलगाड़ी चालू,

ऊँचे हैं किनारे इसके, पाट इसका ढालू।

(ii) बहुएँ लोटे-थाल माँजती रगड़-रगड़ कर

रेती,
कपड़े धोतीं, घर के कामों के लिए चल

देतीं।

5. काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जैसे ही आषाढ़ बरसता, भर नदिया उतराती,
मतवाली-सी छूटी चलती तेज धार दन्नाती।
वेग और कलकल के मारे उठता है कोलाहल,
गँदले जल में घिरनी-भँवरी भँवराती है चंचल।
दोनों पारों के वन-वन में मच जाता है रोला,
वर्षा के उत्सव में सारा जग उठता है टोला।

(i) 'आषाढ़ बरसता' का अर्थ स्पष्ट करो।

(ii) आषाढ़ में नदी की धार कैसी हो जाती है?

(iii) नदी में कोलाहल क्यों मचने लगता है?

(iv) इस पंक्तियों की रचना किसने की है?

(v) वर्षा ऋतु में नदी गँदले पानी में क्या होने लगता है?

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. गर्मियों में लोग नदी को कैसे पार करते हैं?

2. नदी के दूसरे किनारे पर किनकी बस्ती है?

3. बच्चे नदी से मछलियाँ कैसे पकड़ते हैं?

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कविता में नदी के जल के स्वच्छ होने के विषय में क्या बताया गया है?

2. मैना नदी तट पर क्या कर रही है?

3. नदी के दोनों किनारों पर क्या-क्या है?

4. टोला किस उत्सव को किस प्रकार मनाता है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. नदी के पार कौन-कौन जाता है और कैसे जाता है?

2. बच्चे नदी में क्या-क्या करते हैं?

3. स्त्रियाँ नदी के पास क्या-क्या करती हैं?

1. निम्नलिखित पंक्तियाँ को पूरा करो—

कच्चे —

.....

.....ढालें ।

कभी—कभी

.....

.....

.....छाना ।

भाषा आधारित प्रश्न

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(i) घाम (ii) सघन (iii) रोला

(iv) कछार (v) टोला (vi) पाट

(vii) घिरनी (viii) काँस

2. निम्नलिखित शब्द-समूह में से देशज और विदेशज शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए ।

लोटा, तेज, शोर, गमछा, थाल, किनारा

(i) देशज शब्द , ,

(ii) विदेशज शब्द , ,

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अलग-अलग अर्थ लिखिए ।

(i) घुटना ,

(ii) पाट ,

(iii) पार ,

(iv) कार ,

(v) रेती ,

(vi) अंग ,

4. उचित स्थान पर अनुस्वार अथवा अनुनासिक का प्रयोग करके शब्दों को लिखो—

- (i) आचल (ii) छाह
(iii) अग (iv) गदले
(v) जगल (vi) भवर
(vii) ऊचे (viii) चचल

5. दो-दो तुकांत शब्द लिखो—

- (i) काँस (ii) कच्चे
(iii) वन (iv) रोला
(v) वेग

6. निम्नलिखित युग्म-शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो—

- (i) लोटे—थाल
(ii) रगड़—रगड़
(iii) छोटी—छोटी
(iv) भर—भर
(v) अंग—अंग

पाठ आधारित प्रश्न

1. आपने एक्वेरियम में मछलियों को तैरते हुए देखा होगा। सोचकर लिखिए कि उन मछलियों और नदियों में रहने वाली मछलियों में क्या अंतर है?

ज्ञानाधारित प्रश्न

1. वर्ण-विच्छेद करो-

(i) किचपिच

(ii) दन्नाती

(iii) उत्सव

(iv) झकाझक

2. निम्नलिखित वर्ग-पहेली में से वे शब्द ढूँढो, जो इस कविता में आए हैं।

ढो	र	डं	ग	र	पा
ग	अ	स	रा	ई	ट
म	क	छा	र	क	च
छों	र	स	ब	च्चे	आ
साँ	काँ	प	त	घा	षा
झ	स	का	रे	म	ढ़

.....
.....

मूल्याधारित प्रश्न

1. गंगा नदी को हम अपने देश में गंगा मैया, देवनदी आदि नामों से बुलाते हैं, फिर भी उसमें कुछ भी फेंकने से हमें संकोच नहीं होता। क्या यह उचित है? कूड़ा फेंकने से नदी पर क्या प्रभाव पड़ता है? सोचकर लिखो-

रचनात्मक लेखन

1. स्वयं सोचकर 'नदी और प्रदूषण' विषय पर एक अनुच्छेद लिखो—
